अज़ाब का मुस्तहिक कौन?

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी 'रसूलुल्लाहﷺ के साथियो का हाल'.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*मिश्कात, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन उमर रदी. > हम रसूलुल्लाहﷺ के साथ एक सफर जिहाद में थे, तो कुछ लोगों के पास से गुज़रे और पूछा की तुम कौन लोग हो? उन्होंने कहा की हम मुसलमान है. वहां एक औरत खाना पका रही थी, लकडी डाल-डाल कर आग भडका रही थी, उसकी गोद में बच्चा था, जब आग का शोला तेज़ होता तो अपने बच्चे को दूर कर लेती. फिर आपﷺ के पास आई और उसने कहा "आप अल्लाह के रसूल है?" आपﷺ ने कहा हां. उसने कहा मेरे मां बाप आप पर कुर्बान, क्या अल्लाह अरहमुर्राहिमीन (दयावान) नहीं है? आपने फरमाया, हां क्यू नहीं. उसने कहा क्या अल्लाह अपने बन्दों पर इस्से ज़्यादा मेहरबान नहीं है जितना मां अपने बच्चे पर रहम करती है? आपने फरमाया,

हां वो मां से ज़्यादा अपने बन्दों पर रहम करने वाला है तो औरत ने कहा, लेकिन मां तो अपने बच्चे को आग में डालना पसन्द नहीं करती, उसकी ये बात सुनकर आपﷺ ने सिर झुका लिया और रोने लगे, और थोडी देर के बाद उसकी तरफ सिर उठाकर फरमाया की अल्लाह उस शख्स को अज़ाब देगा जो सरकश, घमंडी है और जिसने कलम ए तौहीद को कुबूल करने से इन्कार किया हो.

जाहिर है की ये औरत मुसलमान थी, और अल्लाह की रहीमियत और दूसरी सफतों को जानती थी, फिर उसने ये सवालात क्यू किये? उसकी वजह ये है की उसके दिल में आखिरत की फिकर ने घर कर लिया था, वो सब कुछ करने के बाद यही जानती थी की अल्लाह की जन्नत पाने के लिए इतना ही काफी नहीं है, और उसको दोज़ख का धडका लगा हुवा था. आपﷺ ने जो जवाब दिया वो ये की ए अल्लाह की बन्दी जहन्नम में तो वो जायेगा जिस्के सामने दीन आया, और उसने कुबूल करने से इन्कार कर दिया तू तो मुसलमान है, तुझे क्यू जहन्नम में फेंकेगा? अल्लाह ऐसे लोगों को जहन्नम में दाखिल नहीं करेगा जो इस्लाम लाए हो और उसकी मांग पूरी कर रहे हो, ऐसे फिकर करने वाले मुसलमानों के लिए आपﷺ का ये जवाब हिकमत वाला जवाब था.